Ribhuprokta Svarakshanartha Shiva Prarthana

ऋभुप्रोक्ता स्वरक्षणार्थ शिवप्रार्थना

Document Information

Text title : Ribhuprokta Svarakshanartha Shiva Prarthana

File name : RRibhuproktAsvarakShaNArthashivaprArthanA.itx

Category : shiva, shivarahasya

Location : doc_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | shaNkarAkhyaH ShaShThAMshaH | adhyAyaH 3 | 1-19||

Latest update : August 5, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 5, 2023

sanskritdocuments.org

Ribhuprokta Svarakshanartha Shiva Prarthana

ऋभुप्रोक्ता स्वरक्षणार्थ शिवप्रार्थना

गन्धद्विपवरवृन्दत्वचिरुचिबन्धोद्यतपट गन्धप्रमुख
मदान्धव्रजदलि हरिमुखनखरोद्यत्स्कन्धोद्यन्मुख बन्धक्षुरनिभ
निर्यद्रसदसृभिन्दन्नगधर विन्ध्यप्रभशिव मेध्यप्रभुवर ।
मेध्योत्तमशिव भेद्याखिलजगदुद्यद्भवगत वेद्यागमशिव
गद्यस्तुतपद पद्यप्रकटहृदुद्यद्भवगद वैद्योत्तम पाहि शम्भो ॥ १॥

चण्डद्विपकर काण्डप्रभभुज दण्डोद्यतनग
खण्डत्रिपुर महाण्डस्फुटदुडुपशिखण्ड ।
द्युतिवर गण्डद्वय कोदण्डान्तक दण्डितपाद पाहि शम्भो ॥ २॥

किञ्चिज्जललव सिञ्चद्विजकुल मुञ्चद्भृजिन कुलुञ्चद्विजपति
चञ्चच्छविजट कुञ्चत्पदनख मुञ्चन्नतवर करुणा पाहि शम्भो ॥ ३॥

देव शङ्कर हरमहेश्वर पापतस्कर अमरमयस्कर ।
शिवदशङ्कर पुरमहेश्वर भवहरेश्वर पाहि शम्भो ॥ ४॥

अङ्गजभङ्ग तुरङ्गरथाङ्ग जलधिनिषङ्ग धृतभुजङ्गाङ्ग दृशि सुपतङ्ग
करसुकुरङ्ग जटधृतगङ्ग यमिहृदिसङ्ग भजशिवलिङ्ग भवभयभङ्ग ॥ ५॥

शम्बरकरशर दम्बरवरचर डम्बरघोषण दुम्बरफलजग
निकुरुम्बभरहर बिम्बितहृदिचिर लम्बितपदयुग
लम्बोदरजनकान्तकहर शिव बिन्दुवरासन बिन्दुगहन
शरदिन्दुवदनवर कुन्दधवल गणवृन्दविनत भवभयहर
परवर करुणाकर फणिवरभूषण स्मर हर गरधर परिपाहि ॥ ६॥

रासभवृषभेभ शरभाननगणगुणनन्दितत्रिगुणपथातिग
शरवणभवनुत तरणिस्थित वरुणालय कृतपारण मुनिशरणायित
पदपद्मारुण पिङ्गजटाधर कुरु करुणां शङ्कर शं कुरु मे ॥ ७॥

जम्भप्रहरण कुम्भोद्भवनुत कुम्भप्रमथ निशुम्भद्युतिहर

भिन्दद्रणगण डिम्भायितसुर तारकहरसुत कुम्भ्युद्यतपद
विन्ध्यस्थितदितिमान्द्यप्रहर मदान्धद्विपवर कृत्तिप्रवर
सुधान्धोनुतपद बुद्ध्यागमशिव मेध्यातिथिवरद
ममावन्ध्यं कुरु दिवसं तव पूजनतः परिपाहि शम्भो ॥ ८॥

कुन्दसदृश मकरन्दनिभसुरवृन्दविनुत कुरुविन्दमणिगण
वृन्दनिभाङ्घ्रिजमन्दर वसदिन्दुमकुट
शरदम्बुजकृश गरनिन्दनगल सुन्दरगिरितनयाकृति
देहवराङ्गबिन्दुकलित शिवलिङ्गगहन सुतसिन्दुरवरमुख
बन्धुरवरसिन्धुनदीतट लिङ्गनिवहवरदिग्वस पाहि शम्भो ॥ ९॥

पन्नगाभरण मारमारण विभूतिभूषण शैलजारमण ।
आपदुद्धरण यामिनीरमणशेखर सुखद पाहि शम्भो ॥ १०॥

दक्षाध्वरवरशिक्ष प्रभुवर त्र्यक्ष प्रबलमहोक्षस्थित
सितवक्षस्स्थलकुलचक्षुःश्रवस वराक्षस्रज हर ।
वीक्षानिहताधोक्षजात्मज वरकक्षाश्रय पुरपक्षविदारण
लीक्षायितसुर भिक्षाशन हर पद्माक्षार्चनतुष्ट भगाक्षिहराव्यय
शङ्कर मोक्षप्रद परिपाहि महेश्वर ॥ ११॥

अक्षयफलद शुभाक्ष हराक्षततक्षककर
गरभक्ष परिस्फुरदक्ष क्षितिरथ सुरपक्षाव्यय ।
पुरहर भव हर हरिशर शिव शिव
शङ्कर कुरु कुरु करुणां शशिमौले ॥ १२॥

भजाम्यगसुताधवं पशुपतिं महोक्षध्वजं
वलक्षभसितोज्ज्वलं प्रकटदक्षदाहाक्षिकम् ।
भगाक्षिहरणं शिवं प्रमथितोरुदक्षाध्वरं
प्रपक्षसुरतामुनिप्रमथशिक्षिताधोक्षजम् ॥ १३॥

श्रीनाथाक्षिसरोजराजितपदाम्भोजैकपूजोत्सवैर्नित्यं
मानसमेतदस्तु भगवन्सद्राजमौले हर ।
भूषाभूतभुजङ्गसङ्गत महाभस्माङ्गनेत्रोज्वलज्ज्वाला-
दग्धमनङ्गपतङ्गदृगुमाकान्ताव गङ्गाधर ॥ १४॥

स्वात्मानन्दपरायणाम्बुजभवस्तुत्याऽधुना पाहि मां (।)
. . . . ?? missing text ।

गिरिजामुखसख षण्मुख पञ्चमुखोद्यतदुर्मुखमुखहर
आखुवहोन्मुख लेखगणोन्मुख शङ्कर खगगमपरिपूज्य ॥ १५॥

कोटिजन्मविप्रकर्मशुद्धचित्तवर्त्मनां श्रौतसिद्धशुद्धभस्मदग्धसर्ववर्ष्मणाम् ।
रुद्रभुक्तमेध्यभुक्तिदग्धसर्वपाप्मनां रुद्रसूक्ति उक्तिभक्तिभुक्तिमुक्तिदायिकाम् ।
पुरहर इष्टतुष्टिमुक्तिलास्यवासना भक्तिभासकैलासमीश आशु लभ्यते ॥ १६॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते ऋभुप्रोक्ता स्वरक्षणार्थशिवप्रार्थना सम्पूर्णा ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । शङ्कराख्यः षष्ठांशः । अध्यायः ३ । १-१९॥

- .. shrIshivarahasyam . shankarAkhyaH ShaShThAMshaH . adhyAyaH 3 . 1-19..

Notes :
Shiva Rahasyam Amsa-06 consists of the 50 Adhyaya-s that comprise the Ribhu Gita.
Selected verses from Ribhu Gita have been compiled here based on similarity of content.

Proofread by Ruma Dewan

Ribhuprokta Svarakshanartha Shiva Prarthana
pdf was typeset on August 5, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*